शिक्षा सम्बल कार्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर में सुधार

विद्यालयः राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय, देबारी, उदयपुर

छात्रा परिचयः चेतना कुंवर शक्तावत

माताः श्रीमती सुनिता शक्तावत

पिताः श्री कुबेर सिंह जी

पताः धाऊ जी की बाड़ी, देबारी

शिक्षा सम्बल कार्यक्रम एक प्रयासः

शिक्षा सम्बल कार्यक्रम हिन्दुस्तान ज़िंक व विद्या भवन सोसायटी का संयुक्त कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य ज़िंक से जुड़े सरकारी विद्यालयों के कक्षा 9 व 10 के छात्र–छात्राओं को तीन कठिन विषय– अंग्रेजी, विज्ञान व गणित में रचनात्मक, प्रयोगात्मक व कौशलात्मक शिक्षण प्रदान करना है; जिसके लिए प्रत्येक विद्यालय में इन तीन विषयों के विषयाध्यापक नियुक्त किये गए हैं, जो फिल्ड इन्स्ट्रक्टर (F.I.) के रूप में कार्यरत हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य इन तीनों विषयों के लिए अकादमिक सहयोग प्रदान कर सरकारी विद्यालयों के परिणामों की स्थिति को बेहतर बनाना व विद्यार्थियों को इन तीनों विषयों के भय से मुक्त कर उसे आत्मनिर्भर व आत्मविश्वासी बनाना भी है।

मेरी भूमिकाः

मैं एकता नागदा, F.I. English पिछले 2 वर्षों से इस कार्यक्रम से जुड़ी हुई हूँ और पिछले वर्ष देबारी के दो विद्यालयों व वर्तमान में तीन विद्यालयों में अपनी सेवाएँ दे रही हूँ।

यह कहते हुए क़तई भी संकोच नहीं करूँगी कि शिक्षा सम्बल श्रेष्ठ साधन है, अपनी व विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम हमें विद्या भवन सोसायटी की विषय टीम द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है और उसी ज्ञान व तकनीक उपयोग कर हम विद्यार्थियों के साथ कार्य करते हैं। हमारा प्रयास सदैव यही रहता है कि हम बच्चों के ज्ञानात्मक, प्रयोगात्मक पक्ष का विकास कर सकें। वे समझकर हर चीज़ करें, न कि रट कर।

इस हेतु हम विभिन्न पाठ्य सामग्री, प्रायोगिक वस्तुओं का प्रयोग करते हैं जिसमें हम बहुत से teaching aids का भी प्रयोग करते हैं।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परीक्षा परिणाम के साथ विद्यार्थी के शैक्षिक स्तर का सुधार भी करना है।

छात्रा में परिवर्तनः

मैं आपसे एक ऐसी ही छात्रा के साथ मेरा अनुभव बाँटने जा रही हूँ जिसमें मैंने इन दो वर्षों में सकारात्मक परिवर्तन देखा है।

जब मैं शुरुआत में विद्यालय गई तो **चेतना** (छात्रा) के स्तर को समझने में थोड़ी परेशानी हुई क्योंकि उस समय इसकी English के सभी पक्षों Reading, Writing, learning में कमजोरी थी। लेकिन सबसे अच्छी बात यह थी कि उसकी विषय के प्रति रुचि थी क्योंकि कक्षा की दूसरी छात्राओं में अंग्रेजी के प्रति भय था तो मुझे सबसे पहले उनका अंग्रेजी विषय के प्रति रूचि व रुझान को जाग्रत करना पड़ा। लेकिन मैं जब चेतना की मेहनत व लगन को देखती तो बहुत खुश होती। मैंने उसके लिए हर सम्भव प्रयास किये ताकि इसको पढ़ा हुआ सही तरीके से याद हो। शुरू–शुरू में थोड़ी परेशानी हुई लेकिन विषय टीम से प्राप्त मार्गदर्शन, सामग्री, तकनीक व तरीके से काफी मदद मिली। सिर्फ चेतना ही नहीं बल्कि पूरी कक्षा के अंग्रेजी विषय के परिणाम में काफी सुधार हुआ।

लेकिन चेतना के अंग्रेजी विषय में हुआ सुधार प्रशंसनीय है। आज जब वह अगली कक्षा में है तब भी उसमें वही उत्साह बरकरार है।

अब उसकी learning capacity अच्छी हो गई है, writing भी improve हुई है। इसके साथ वह नये–नये तरीके से प्रश्न पूछती है व जवाब भी देने का प्रयास करती है।

छात्राओं को आज तक सिर्फ कक्षा में Reading व हिन्दी अनुवाद के द्वारा ही पढ़ाया गया था। इन्हें Grammar का कुछ भी knowledge नहीं था, मैंने विभिन्न activity और games के द्वारा इनके grammar व vocabulary का विकास करने की कोशिश की जिसमें चेतना ने अच्छी तरह participate किया व अपनी vocabulary develop की।

परिणामस्वरूप चेतना में पढ़ाई के प्रति ही नहीं बल्कि विभिन्न गतिविधियों के लिए भी रुचि उत्पन्न हुई। यह पढ़ाई के साथ बहुत अच्छी मुक्केबाज (wrestler) है और प्रतिदिन 2–3 घण्टे अभ्यास के लिए समय भी निकालती है और पढ़ाई को भी पर्याप्त समय देती है। मैं सदैव इसकी प्रगति की कामना करूँगी।

एकता नागदा

F.I. English